10 तीन बुद्धिमान

दृश्य-1

(गोपी, हरि और देव नगदहा गाँव के निवासी हैं। वे काम की तलाश में जयपुर नगर की ओर जा रहे हैं। इस समय वे नगर से थोड़ी ही दूरी पर हैं।)

गोपी : मित्रो! हम गाँव से इतनी दूर आ गए लेकिन अभी तक कोई काम नहीं मिला।

हरि : हाँ! एक सप्ताह पहले हम घर से निकले थे। अगर काम नहीं मिला, तो हम सब क्या करेंगे ?

देव : घबराओ मत, हम तीनों जयपुर के राजा के पास जाएँगे। वे हमें कुछ काम ज़रूर देंगे।

गोपी : लेकिन राजदरबार तक पहुँचना कोई सरल काम नहीं है।

हरि : अरे, यह देखो! एक ऊँट इधर से कुछ देर पहले गया है। ज़मीन पर उसके पैरों के निशान दिखाई दे रहे हैं।

देव : चलो, चलते-चलते इनको ध्यान से देखेंगे। यात्रा में थकावट भी नहीं होगी और थोड़ा मनोरंजन भी हो जाएगा।

गोपी : (पैरों के निशान देखकर) इस ऊँट की एक विशेषता मैं बता सकता हूँ।

हरि : मैं भी इसके विषय में कुछ कह सकता हूँ।

देव : (हँसते हुए) मैं तुम दोनों से कुछ कम नहीं हूँ। आओ, इस पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर ऊँट के विषय में बातें करते हैं।

दृश्य-2

(तीनों पेड़ के नीचे बैठ जाते हैं। दूर से एक व्यक्ति भागता हुआ आ रहा है।)

देव : उधर देखो! एक आदमी हमारी ओर आ रहा है। लगता है, उसकी कोई मूल्यवान वस्तु खो गई है, जिसे वह ढूँढ़ रहा है।

BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

गोपी : (उठकर व्यक्ति को देखते हुए) यह एक धनी व्यापारी है। इसने रेशम के वस्त्र पहन रखे हैं। बेचारा बहुत चिंतित है।

व्यापारी : (हाँफते हुए) नमस्कार सज्जनो! मेरा एक ऊँट खो गया है। क्या आप ने उसे कहीं देखा है?

हरि : नमस्कार मित्र क्या आपका ऊँट एक पाँव से लँगड़ा है?

व्यापारी : (प्रसन्न होकर) हाँ–हाँ! आप ठीक कह रहे हैं।

गोपी : क्या वह दाईं आँख से अंधा है?

व्यापारी : हाँ! लेकिन आप को यह सब कैसे पता? आपने अवश्य उसे देखा होगा।

देव : नहीं, हमने उसे देखा नहीं है। मैं आपको यह भी बता सकता हूँ कि उस ऊँट की पूँछ छोटी है।

व्यापारी : अरे! यह भी सच है। ऊँट को देखे बिना आप उसकी सारी विशेषताएँ कैसे जान सकते हैं? मुझे विश्वास नहीं होता। आपने मेरा ऊँट किसी व्यापारी को बेच दिया है। मैं जयपुर के राजा से शिकायत करूँगा। वही इस समस्या का हल निकालेंगे। आप मेरे साथ चलिए।

हरि : हम निर्दोष हैं इसलिए हमें कोई चिंता नहीं। चलिए हमें राजमहल तक ले चलिए।

दृश्य–3

(व्यापारी के संग तीनों मित्र राजदरबार में पहुँचते हैं। राजा सिंहासन पर बैठे हैं। व्यापारी और तीनों मित्र राजा को प्रणाम करते हैं।)

सिपाही : महाराज! यह व्यापारी कहता है कि इन तीनों यात्रियों ने रास्ते में इसका ऊँट चुरा लिया। लेकिन ये तीनों मित्र कहते हैं कि इन्होंने ऊँट को देखा तक नहीं। उसके पैरों के निशान देखकर ही उसके विषय में जानकारी प्राप्त की है।

राजा : (मुस्कुराते हुए) यह तो बहुत रोचक घटना है। ऊँट को देखे बिना उसकी विशेषताएँ कैसे ज्ञात हो सकती हैं?

हरि : (प्रणाम करते हुए) महाराज! मैं आपको समझाता हूँ। जब मैंने ऊँट

© BSTBPC WEBOOK NOT TO BE PUBLISHED

के पैरों के निशान देखे तो मुझे मिट्टी में केवल तीन पैरों के निशान दिखाई दिए। इस पर मैंने यह निष्कर्ष निकाला कि ऊँट एक पैर से लँगड़ा है।

राजा : (ताली बजाते हुए) वाह! तुम बहुत बुद्धिमान हो। (गोपी की ओर देखते हुए) अब तुम बताओ कि तुमने क्या देखा?

गोपी : (राजा को प्रणाम करते हुए) महाराज! मैंने देखा कि ऊँट ने केवल बाईं ओर लगे पेड़ों के पत्तों को खाया था। उसने दाईं ओर लगे पत्तों को छुआ तक नहीं। अतः मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि वह ऊँट दाईं आँख से अंधा है।

राजा : (प्रसन्न होकर) तुम भी बहुत चतुर हो। (देव से) अब तुम्हारी बारी है।

देव : (प्रणाम करते हुए) महाराज! मैंने ऊँट के पैरों के निशानों के पास रक्त की छोटी-छोटी बूँदें देखीं। मुझे अंदाज था कि उसके एक पैर में घाव है और उस घाव से ही खून की बूंदें गिरी हैं। मक्खियों को पूँछ से नहीं भगा पाने के कारण ही उसका घाव ठीक नहीं हो रहा होगा। वह पूँछ से उन्हें उड़ा देता, तो महाराज, मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि ऊँट की पूँछ छोटी है।

राजा : तुम तीनों की बातें सुनकर मुझे विश्वास हो गया है कि तुमने ऊँट को न तो देखा है, न ही चुराया है। तुम बहुत बुद्धिमान हो। अतः मैं तुम तीनों को अपने दरबार में मंत्री पद पर नियुक्त करता हूँ।

तीनों : (प्रसन्नतापूर्वक प्रणाम करते हुए) महाराज की जय हो!

© RSTBEC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

अभ्यास

बातचीत के लिए

1. गोपी, हरि और देव किस गाँव के निवासी थे और वे कहाँ जा रहे थे?
2. राजदरबार क्या होता है? वहाँ क्या-क्या होता होगा?
3. तीनों ने ऊँट की क्या-क्या विशेषताएँ बताईं? ऐसा कहने के पीछे उन्होंने क्या कारण बताएँ?
4. राजा ने तीनों मित्रों को बुद्धिमान माना। क्या आप इससे सहमत हैं?

पाठ से

1. गोपी, हरि और देव जयपुर के राजा के पास क्यों जाना चाहते थे?
2. व्यापारी तीनों मित्रों को लेकर राजदरबार क्यों गया?
3. किस आधार पर गोपी ने कहा कि ऊँट दाईं आँख से नहीं देख पाता है?
4. हरि ने किस आधार पर बताया कि ऊँट एक पैर से लँगड़ा है?
5. तीनों मित्रों ने ऊँट के पैरों के निशान को ध्यान से देखने की बात की। इससे उन्हें क्या लाभ था ?

किसने कहा, किससे कहा ?

निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर बताइए कि किसने किससे ये वाक्य कहे :-

1. ''घबराओ मत, हम तीनों जयपुर के राजा के पास जाएँगे।''
   किसने कहा ....., किससे कहा .....
2. ''क्या आपका ऊँट एक पाँव से लँगड़ा है।''
   किसने कहा ....., किससे कहा .....
3. ''हम निर्दोष हैं इसलिए हमें कोई चिंता नहीं''
   किसने कहा ....., किससे कहा .....
4. ''यह व्यापारी कहता है कि इन तीनों यात्रियों ने रास्ते में इसका ऊँट चुरा लिया।''
   किसने कहा ....., किससे कहा .....
5. ''उसने दाईं ओर लगे पत्तों को छुआ तक नहीं।''
   किसने कहा ....., किससे कहा .....

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

आपकी समझ से

1. यदि व्यापारी तीनों मित्रों की शिकायत लेकर राजा के पास नहीं जाता तो क्या वे तीनों राजदरबार पहुँच पाते?
2. गोपी ने यह कैसे अंदाजा लगाया कि वह व्यापारी बहुत धनी है ?
3. अगर ऊँट की बाईं आँख ठीक नहीं होती तो तीनों मित्र उसके बारे में क्या बताते?
4. इस एकांकी के लिए कोई दो शीर्षक सुझाइए।

भाषा के रंग

1. नीचे दिए गए शब्दों के सही रूप लिखिए:-

उँट = ऊँट

सिहासन =	सप्ताह =
निसान =	जमीन =
निस्कर्ष =	विसय =
गाव =	व्यक्ती =
चिंतीत =	लँगरा =

2. नीचे लिखे गए विशेषण शब्दों को सही स्थान पर लिखें :-

धनी, रेशमी, लँगड़ा, बहुत, छोटी, मूल्यवान

धनी व्यापारी	
..... ऊँट	..... वस्तु
..... वस्त्र	..... पूँछ
..... बुद्धिमान	

3. काल

वर्तमान काल	भूतकाल	भविष्यत् काल
वह बहुत चिंतित है	वह बहुत चिंतित था	वह बहुत चिंतित रहेगा।
.....	उसने कीमती वस्त्र पहने थे।	.....
ऊँट एक पाँव से लँगड़ा है।	.....	.....
.....	.....	ऊँट दाईं आँख से अंधा हो जाएगा।

© BSEBSEC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

यह सच है। ....

..... मैं नहीं मानता था। .....

4. नीचे दिए गए वाक्यों को पूरा कीजिए –

(पर, से, की, ने, में, को)

व्यापारी ने मित्रों ..... देखा।

तीनों मित्र राजदरबार ..... पहुँच गए।

हम घर ..... निकले।

व्यापारी ..... तीनों मित्रों पर चोरी का आरोप लगाया।

जमीन ..... ऊँट के पैरों के निशान दिखाई दे रहे थे।

ऊँट ..... पूँछ छोटी थी।

5. राजदरबार – राजा का दरबार इसी तरह दिए गए शब्दों के बारे में लिखिए।

- राजमहल
- राजकुमार
- राजसिंहासन
- राजपुरोहित
- राजमाता
- राजवैद्य

6. नीचे दिए गए वाक्यों को निर्देशानुसार बदलकर लिखिए –

(क) मेरा ऊँट खो गया है। (बहुवचन में)

.....

(ख) हम निर्दोष हैं। (एकवचन में)

.....

(ग) महाराज! मैं आपको समझाता हूँ। (बहुवचन)

.....

(घ) उन्होंने पत्तों को छुआ तक नहीं। (एकवचन में)

.....

(ङ) तुम बहुत बुद्धिमान हो। (बहुवचन में)

.....

WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED BSTBBC

7. नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यान से पढ़िए –

- मित्रो! हम गाँव से बहुत दूर आ गए।
- नमस्कार सज्जनो! मेरा एक ऊँट खो गया है।

इन वाक्यों में लोगों को संबोधित करने के लिए विस्मयादिबोधक चिह्न (!) का उपयोग किया गया है। संबोधन शब्द में बिंदु नहीं लगाया जाता, जैसे– मित्रों, सज्जनों। नीचे दिए गए वाक्यों को सही करके लिखिए –

(क) भाइयों आप मुझे थोड़ी–सी जगह दे दीजिए।

.....

(ख) देवियों मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

.....

(ग) मित्रों क्या आप मेरे साथ हैं ?

.....

आपसी संवाद

गोपी ने ऊँट वाली घटना के बारे में अपनी माँ को कैसे बताया होगा? संवाद लिखिए –

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

मंचन

तीन बुद्धिमान शीर्षक पाठ का मंचन कीजिए। एकांकी के मंचन में आप गोपी, हरि, देव, व्यापारी और राजा में से क्या बनना पसंद करेंगे और क्यों?

❖

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED